ज्योतिषाचार्य — द्वितीय वर्ष

पंचम पत्र : फलित जातक एवं योग

जातक परिजा राजयोगा अध्याय पर्यान्ता

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

परीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र : फलितम् एवं स्वर विज्ञानञ्च

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

1	भावकौतुहलम्	40(50) अंक
2	पंचस्वरा प्रजाति दास विरचिता	40(50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र : वास्तुशास्त्र एवं गणितम्

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

1	बृहद् वास्तुमाला, प० राम निहोर द्विवेदी	40(50) अंक
2	आर्य भट्टीयम्	40(50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र . इतिहास एवं निबन्ध

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

1	ज्योतिष शास्त्र का इतिहास	40(50) अंक
2	स्वशास्त्रीय निबन्ध	40(50) अंक

17.3.2012

परीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

(R.K. Mishra) (डॉ. ...)

Dr. (MD) Rajiv ... Chairperson ... Deptt